भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 421
दिनांक 03.12.2025 को उत्तरार्थ

आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों से लैस ग्राम पंचायतें

421. श्री नीरज डांगी :

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क)क्या सरकार ग्राम पंचायतों के कार्य संचालन को आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस उपकरणों से लैस करने पर विचार कर रही है;
(ख)यदि हाँ, तो इस उपकरण से लैस की जाने वाली ग्राम पंचायतों की संख्या, राज्य-वार विवरण तथा उसकी समय-सीमा क्या है; और
(ग)यह उपकरण कितनी भाषाओं में कार्य करने हेतु विकसित किया जा रहा है तथा उसके विवरण क्या हैं?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) जी हाँ, महोदय। सरकार ग्राम पंचायतों के कार्यों के समर्थन हेतु आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस(AI)आधारित उपकरणों को अपनाने के लिए कदम उठा रही है। पंचायती राज मंत्रालय ने 14 अगस्त, 2025 को "सभासार" नामक आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस-संचालित बैठक-सारांशण उपकरण लॉन्च किया है, जो ग्राम सभा तथा अन्य पंचायत बैठकों की ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग से संरचित कार्यवृत्त (Minutes) तैयार करता है। सभासार उन्नत नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP) तकनीकों का उपयोग करता है तथा बहुभाषीय समर्थन उपलब्ध कराने हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन "भाषिणी" के साथ एकीकृत है।

(ख) "सभासार" सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध करा दिया गया है तथा ग्राम पंचायतें क्रमिक रूप से इस उपकरण को बैठक-सारांशण हेतु अपना रही हैं। प्रारम्भिक चरण में त्रिपुरा की सभी 1,194 ग्राम पंचायतों को 15 अगस्त, 2025 के विशेष ग्राम सभाओं के लिए इस उपकरण के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। 15 अगस्त, 2025 को कुल 12,667 ग्राम पंचायतों ने सभासार का उपयोग किया, जो बढ़कर 02 अक्टूबर, 2025 की ग्राम सभाओं में 77,198 ग्राम पंचायतों तक पहुँच गया। दिनांक 28.11.2025 तक कुल 92,034 ग्राम पंचायतें स्वचालित बैठक-सारांशण हेतु सभासार उपकरण का उपयोग कर चुकी हैं।

(ग)सभासार भाषिणी, राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन, के साथ एकीकृत है और वर्तमान में 22 भारतीय भाषाओं में टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट अनुवाद तथा 13 भारतीय भाषाओं में वॉयस-टू-टेक्स्ट ट्रांसक्रिप्शन का समर्थन प्रदान करता है, जिससे विभिन्न भाषाई क्षेत्रों में इसकी व्यापक पहुँच सुनिश्चित होती है।

****